



K15U 0505

Reg. No. : .....

Name : .....

**I Semester B.A./B.Sc. Degree (CCSS-Reg./Supple./Improv.)**

**Examination, Nov. 2015**

**Common Course in Hindi**

**1A07 HIN : KAVITHA AUR KAHANI**

**(2014 Admn. Onwards)**

Time : 3 Hours

Max. Marks : 40

- I. निर्देश: कम से कम 300 शब्दों में किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखिए। (1×7=7)
- 1) कहानी के तत्वों के आधार पर 'चीफ की दावत' कहानी की समीक्षा कीजिए।
  - 2) 'कफन' में अभिव्यक्त सामाजिक यथार्थ पर प्रकाश डालिए।
- II. निर्देश: कम से कम 300 शब्दों में किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखिए। (1×7=7)
- 3) 'बीस साल बाद' कविता में स्वर प्राप्त भारत की दुर्दशा पर विचार कीजिए।
  - 4) 'शोकगीत' में अभिव्यक्त आदमी की विडंबना पर प्रकाश डालिए।
- III. कम से कम 125 शब्दों में किसी एक अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। (1×3=3)
- 5) कस्तूरी कुंडलि बसै, मृग ढूँढ़े वन मांहीं ।  
ऐसे घटि घटि राम है, दुनिया देखै नांहीं ॥
  - 6) रावरे दोष न पायँन को, पगधूरि को भूरि प्रभाउ महा है ।  
पाहन तें बन-बाहन काठ को कोमल है, जल खाई रहा है ॥  
पावन पाँय पखरि के नाव चढ़ाइहौं, आयसु होत कहा है ।  
तुलसी सुनि केवट के बर बैन हँसे, प्रभु जानकी ओर हहा है ॥
- IV. निर्देश: कम से कम 125 शब्दों में किन्हीं दो अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। (2×3=6)
- 7) चढ़ रही थी धूप ;  
दिवा का तमतमाता रूप  
उठी झुलसाती हुई लू,  
रुई ज्यों जलती हुई भू,  
गर्द चिनगीं छा गर्यीं,  
प्रायः हुई दुपहर :-  
वह तोडती पत्थर ।

P.T.O.



8) सारे संदर्भों के पार  
मुश्किल से उड़कर पहुँची हूँ,  
ऐसे ही समझी - पढ़ी जाऊँ  
जैसे  
अधूरा अभंग!

9) मैं क्षितिज-भृकुटि पर घिर धूमिल  
चिन्ता का भार बनी अविरल,  
रज-कण पर जल-कण हो बरसी  
नव जीवन अंकुर बन निकली।

V. कम से कम 125 शब्दों में किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(3×3=9)

- 10) 'रहीम के दोहों में नीति के सिद्धांत मिलते हैं' - इस कथन का समर्थन कीजिए।
- 11) 'हिमाद्रि तुंग श्रृंग से' असल में एक उद्बोधन गीत ही है - समझाइए।
- 12) 'वह तोडती पत्थर' नामक कविता के माध्यम से निराला जी ने श्रमिक वर्ग की कुंठा एवं निराशा किस प्रकार व्यक्त किया है ?
- 13) धूमिल ने आज़ाद भारत का कैसा चित्र खींचा है ?
- 14) 'मैं तुम लोगों से दूर हूँ' कविता की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

VI. निर्देश: कम से कम चार वाक्यों में किन्हीं आठ पर टिप्पणियाँ लिखिए।

(8×1=8)

- 15) सूर की भक्ति भावना।
- 16) तुलसी की समन्वय भावना।
- 17) महादेवी का वेदना भाव।
- 18) अनामिका का नारी संबंधी विचार।
- 19) 'प्रथमरश्मि का आना' का संदेश।
- 20) 'वक्त' कविता का भाव।
- 21) 'औरतें' कविता का प्रतिपाद्य।
- 22) 'नए इलाके में' कविता की विशेषताएँ।
- 23) 'बेजगह' कविता का संदेश।
- 24) पंतजी का प्रकृति चित्रण।